an>

Title: Prof. Saugata Roy made a submission regarding clarification from the Government on its foreign policy vis-Ã -vis Pakistan.

HON. SPEAKER: Prof. Saugata Roy, you want a statement.

â€¦(व्यवधान)

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT, MINISTER OF HOUSING AND URBAN POVERTY ALLEVIATION AND MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI M. VENKAIAH NAIDU): Madam, the issue raised by Prof. Saugata Roy is very important. I already had a talk with the hon. Minister of External Affairs. She will make a statement in the House and is also willing for a discussion because she has been there and new developments have taken place. We will take it up. She has come back only today.

प्रो. सौगत राय (दमदम) : ठीक है, अच्छी बात है।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) : अध्यक्ष महोदया, कल लोक सभा की कार्यवाही में भदोही के सांसद वीरेन्द्र सिंह ने बहुत आपत्तिजनक, अपमानजनक और बदनाम करने वाला वक्तव्य दिया है। उन्होंने यह अपमानजनक वक्तव्य न केवल वर्तमान दो सदस्यों राहुल जी और ज्योतिरादित्य सिंधिया जी के खिलाफ दिया, बल्कि हमारे पूर्व प्रधान मंत्री श्री जवाहरलाल नेहरू, श्रीमती इंदिरा गांधी जी, श्री राजीव गांधी जी के खिलाफ भी दिया जो बहुत ही निन्दनीय है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, आप इस इश्यू को ऐसा मत करिये।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : हम सभी यहाँ पर संविधान के रक्षक के रूप में और जनता के निर्वाचित प्रतिनिधियों के रूप अपने अधिकार अर्जित करते हैं। ...(व्यवधान) इस सदन के एक सदस्य का बहुत ही अशोभनीय आचरण देखने में बहुत चौंकाने वाला है। इससे भी ज्यादा चौंकाने वाला यह था कि सत्ता पक्ष के सदस्य उनका उत्साह बढ़ा रहे थे, उचका रहे थे जिनमें सरकार के मंत्री भी शामिल थे, वे सुन रहे थे। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, इतना सारा मत बोलिये। खड़गे जी आप बैठिये।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इतना मत करिये नहीं तो फिर गड़बड़ होती है। आप चाहे जो बात हो, उसको आगे बढ़ाते जाते हैं। मैंने अभी एडजर्नमैंट मोशन स्वीकार नहीं किया है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : क्योंकि आप थोड़े में नहीं बोलते।

â€¦(व्यवधान)

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT, MINISTER OF HOUSING AND URBAN POVERTY ALLEVIATION AND MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI M. VENKAIAH NAIDU): Madam, it is wrong. Some Members of the Congress went to the Chair and also threw the papers. He cannot have it like this. ...(*Interruptions*) He cannot do it like this. ...(*Interruptions*) The entire party is condemning. That is not fair. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आप भी मेरी बात समझिये।

â€¦(व्यवधान)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Let us discuss it coolly. Your own people are coming to the Well of the House. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Khargeji, I am sorry. खड़गे जी, गुस्सा करने से कुछ नहीं होगा।

â€¦(व्यवधान)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Your own people come to Well of the House. You come to the Well of the House. How do you justify it? ...(*Interruptions*)

11.05 hours

(*At this stage, Shri Rajeev Satav and some other hon. Members came*

and stood on the floor near the Table.)

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : वह इसलिए है कि जब मैं बोलना शुरू करती हूं तो आपका माइक बन्द होता है। आप बात को तो समझिये। ऐसा नहीं होता है, आपका माइक बन्द नहीं किया है। आप समझ ही नहीं रहे हो।

â€¦(व्यवधान)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU : Madam Speaker, how do you justify these people coming to the Well of the House. ...(*Interruptions*) You create disorder and you want a response from others. ...(*Interruptions*)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : यह नहीं चलेगा, कोई आपत्तिजनक बात रिकार्ड में आई हो तो रिकार्ड से हटा दीजिए। किसी की भी कोई आपत्तिजनक बात आई हो तो रिकार्ड से हटा दीजिए। अगर किसी ने अनपार्लियामेंटरी शब्द बोला है तो रिकार्ड से हटा दीजिए।

माननीय अध्यक्ष : मैं बोल रही हूं। मैं समझा रही हूं, उनका माइक बन्द इसलिए हुआ, मैं जब बोलना शुरू करती हूं तो माइक बन्द होता है। मैं आपको कुछ समझा रही हूं न। आप बात तो समझिये। Please go to your seats.

...(*Interruptions*)

11.07 hours

(At this stage, Shri Rajiv Satav and some other hon. Members went

back to their seats)

माननीय अध्यक्ष: क्या होता है, खड़गे जी, जब मैं आपको कुछ समझा रही हूं, तब तो आप सुनेंगे कि नहीं। मैं आपको यह समझा रही हूं।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: प्लीज़ एक मिनट, आपको मैंने बोलने दिया, हालांकि मैं मौका नहीं देती, मैं बोलती क्वश्चन ऑवर के बाद बोलिये, क्योंकि आपके एडजर्नमेंट मोशन के नोटिसेज़ जितने भी थे, इसी विषय पर थे और आप सब लोग जानते हैं, जो भी कुछ गलत पर्सनल रिमार्क्स अलग सन्दर्भ में माननीय ज्योतिरादित्य जी और माननीय राहुल जी के लिए जो भी सदस्य के द्वारा किये गये थे, वे कल आप सभी के सामने हमने सभी के सभी एक्सपंज किये थे। फिर भी

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप बात तो सुनिये। अब मेरा भी माइक बन्द होगा क्या? इसलिए मैं आपसे जो बोल रही हूं आप उतनी ही बात करो तो ठीक है। इस समय पूरे पक्ष, विपक्ष, पुरानी सब बातें नहीं होतीं, उसी पर आप बोलना। उसी पर आप बोलो, वे एक्सपंज की गई हैं। बात गलत है, मैंने खुद बोला है और इसलिए एक्सपंज भी की गई कि किसी सदस्य को पर्सनल कुछ यह करके सदन में नहीं बोलना चाहिए। हमेशा हमने उस सन्दर्भ को बोला है और बात एक्सपंज हो गई है। इन दो चीजों के बारे में आपको बोलना है तो मैं सुनूंगी। आप पूरा सब निकालोगे और पूरे पक्ष-विपक्ष पर आरोप लगाओगे तो वह नहीं होता है। ऐसा तो सब लोग अपनी-अपनी बातों में हर कोई कुछ न कुछ बोलता रहता है। इसके लिए मैं रोक रही हूं।

अब आप एक मिनट के लिए बोलिये। खड़गे जी का माइक शुरू करें, मगर इन बातों को ध्यान में रखते हुए आप बोलेंगे, अदरवाइज़ माइक बन्द होगा।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: देखिये, दूसरी बात मैं बोल रहा हूं। मैडम, आप इस सदन में नहीं थीं, उस वक्त जो हुआ, मैं आपके सामने रख रहा हूं। मैं बाहर की बातें नहीं कह रहा हूं और...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैंने पूरा रिकार्ड देखा है और hon. Deputy-Speaker was there on the Chair. He has seen it.

...(*Interruptions*)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: मैं आपसे विनती करता हूं, यह एक प्रजातंत्र का मन्दिर है, क्या ऐसे उदाहरण, ऐसी बातों से इसको पोल्यूट करना चाहते हैं?...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : भाषण नहीं दें, आप अपनी बात कहिये। मैं चर्चा नहीं करा रही हूं।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: इससे स्पष्ट होता है कि उन्होंने हमेशा ऐसे पर्सनल अटैक करके बोला है, मुझे सबसे ज्यादा ताज्जुब क्या हुआ, जब वे बात कर रहे थे, नायडू साहब उनको रोक सकते थे, रूडी साहब उनको रोक सकते थे...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप इतना नहीं बोलेंगे, यह सबको होता है। I am sorry.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: लेकिन इसके बजाय इन्होंने क्रिटीसाइज़ करके सब को सपोर्ट करने की बात की। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: एक मिनट, खड़गे जी। आप सुनिये। डिप्टी स्पीकर का भी रिमार्क है कि : "I will expunge, and I will see to it". यह भी बोला गया है।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: इसीलिए मैं आपसे यही चाहता हूं कि उन मैम्बर के ऊपर एक्शन लीजिए, कड़े से कड़ी शिक्षा दीजिए। दूसरी चीज़, ओपनली अपोलोजी वे करें। वे यहां आयें, यह हिट एण्ड रन नहीं चलता।...(व्यवधान)

SHRI KODIKUNNIL SURESH (MAVELIKKARA): Madam, we want action. ...(*Interruptions*)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू: मैडम, खड़गे जी ने मेरा नाम लिया है।

माननीय अध्यक्ष: अब तो बैठिये।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: उन्हें यहां आने दो, उन्होंने क्या बात कही, बोलने दो।

श्री एम. वैंकैय्या नायडू: मैडम, माननीय खड़गे जी ने मेरा नाम लिया है...(व्यवधान) इससे आप लोगों का कोई सम्बन्ध नहीं है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: अब इस विषय पर आप सब लोग मत बोलो। Do you want to say something? मैं इस चर्चा नहीं कर रही हूं।

श्री एम. वैंकैय्या नायडू: मैडम, मेरा नाम लिया है। ...(*Interruptions*)

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (KOLKATA UTTAR): Madam, I am saying that after a long time, after the previous Session, this Session is running smoothly now. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Not yet.

...(*Interruptions*)

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY: If the Leader of the Party, Shri Kharge ji, wants to submit something, then our purpose should be that the House runs smoothly. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Yes, I have given time to him.

...(*Interruptions*)

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY: Yesterday, Shri Rahul Gandhi's name and Shri Jyotiraditya Scindia's name was taken..with ugly comments...(*Interruptions*) everybody knows in the world that from which family Shri Rahul Gandhi belongs or Shri Jyotiraditya Scindia belongs. ...(*Interruptions*)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU : No, we are not discussing these things. ...(*Interruptions*)

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY : These are genuine issues. ...(*Interruptions*) So, by naming somebody on the floor of the House is condemnable. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: This is what I have said.

...(*Interruptions*)

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY: I appreciate your action that you have expunged it, but some precedent should be set so that such type of things never happen in the future either from this side to that side or from that side to this side. ...(*Interruptions*) This is our sentiment. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: This side or that side, I am saying this to both sides.

...(*Interruptions*)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU : Madam Speaker, I would have kept quiet, but for the fact that respected Kharge ji has taken my name also. ...(*Interruptions*) I am the last man to appreciate and I condone anybody saying anything against any person. Secondly, I have that much experience in Parliament and also in public life that there is no question of appreciating anybody referring to the name of the families or to the person, or taking the names of those persons who were not there.

The hon. Speaker has informed us that all the objectionable remarks have been expunged. Shri Kharge Ji is saying that this is "लोकतंत्र का पूजा मंदिर।' यह मंदिर ठीक तरह से चले, इसका दायित्व भी सबके ऊपर है। लोगों ने वेल में आकर कहा - 'हिटलर मोदी, तानाशाही नहीं चलेगी।" How can you call the Prime Minister of India, the darling of the Indian masses, a "Hitler"? How do you call him a "Hitler"? ...(*Interruptions*)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: He is diverting the issue. ...(*Interruptions*)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: It is not your issue alone. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: What Shri Sudip Ji said is correct.

...(*Interruptions*)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Madam, you were not there in the House, in the Chair. Hon. Deputy-Speaker was there at that time. Some of the Members went up to the hon. Deputy-Speaker and threw papers at him. What action will be taken against them? Let us control our Members. Let us maintain decorum in the House.

माननीय अध्यक्ष : ऐसा कोई न करे।

â€¦(व्यवधान)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Let us maintain decorum in the House. उनके खिलाफ़ भी एक्शन लेना चाहिए।...(व्यवधान) यह एक तरफ नहीं हो सकता, यह दोनों तरफ होना चाहिए।...(व्यवधान) दोनों तरफ मिलकर ठीक तरह से सदन चले, यह हमारा प्रयास होना चाहिए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : यह बात भी बिल्कुल सही है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं अपने चैम्बर में बैठकर इसे देख रही थी। पेपर्स फेंकना, स्पीकर के टेबल तक आना, ये चीज़ें जो शुरू हो रही हैं, ये अच्छी नहीं हैं। हम सबको इन बातों से बचना चाहिए। ये बातें भी गलत हैं।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सुदीप जी, आपने बिल्कुल ठीक कहा कि सभी तरफ से ऐसा जो भी होता है, एक-दूसरे के ऊपर इस प्रकार के कमेंट्स, वह पर्सनली तो होना ही नहीं चाहिए। हम इस बात को थोड़ा ध्यान में रखें।

वीरेन्द्र जी, आपने जो कल दोनों के लिए बोला है, मैंने खुद उस बात को एक्सपंज किया है। मुझे ऐसा लगता है कि अगर हम कहें कि ऐसा नहीं था, तो इसमें कोई छोटा-बड़ा नहीं होता है। इस प्रकार के पर्सनल कमेंट्स नहीं होने चाहिए। बात केवल इतनी ही है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : वीरेन्द्र जी, मैं आपको बता रही हूं कि whatever you have said is not correct. That is the only thing.

...(*Interruptions*)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : वह एक्सपंज हो गया।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : वीरेन्द्र जी, आप बैठिए। ऐसा नहीं होना चाहिए। बस, और कुछ मत बोलो। आप बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: You should not say anything more.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : वीरेन्द्र जी, आप बैठिए। मैंने आपका माइक ऑन नहीं किया है। मैं आपको एक प्रकार से चेतावनी दे रही हूं। प्लीज़, आप बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Please sit down. Please take your seat.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : वीरेन्द्र जी, आपने जो कहा था, वह उचित नहीं है। मैं यही कह रहा हूं। इसके आगे मत करिए।

â€¦(व्यवधान)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: Please take action against him. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, मैंने उनको खुद वार्निंग दी है। I have given the warning to him. What else should be done?

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: मैडम, ऐसा नहीं चलेगा।...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: I have given the warning to him. मैंने उन्हें बोलने नहीं दिया है। मैंने उन्हें वार्निंग दी है कि भविष्य में यह नहीं होना चाहिए।

...(*Interruptions*)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Should we not take action against those people who come into the Well of the House? Should we not take action against those people who threw papers at the Deputy-Speaker? What is this? If somebody has done something wrong, the hon. Speaker has expunged it. Nobody is approving it. Shri Gogoi has come into the Well of the House; Shri Ravneet Singh has come into the Well of the House and threw papers? It is there to see in front of everybody. Both the things are wrong. Let everything be expunged. ...(*Interruptions*)

11.13 hours

(*At this stage, Shri Kodikunnil Suresh and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.*)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज़, बात को मत बढ़ाओ।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : बात को मत बढ़ाओ। फिर आपको भी पेपर फेंकने के लिए माफी मांगनी पड़ेगी।

â€¦(व्यवधान)

11.14 hours

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

HON. SPEAKER: Q. 161, Shri K. Parasuraman.

(Q. 161)

SHRI K. PARASURAMAN: Hon. Speaker, Madam, the Government has announced an ambitious target of setting up 750 gigawatts of wind, solar and biomass power projects by the year 2022. Solar energy is expected to account for 18 per cent of total power generation capacity in India. This can only be possible if the Government includes the installation of solar systems in all the infrastructure projects being executed by the Government and extend the number of solar parks in the country.

So, I would like to know whether the Union Government will themselves come forward to set up the rooftop solar system in the existing mega structures and new projects to be initiated by them like projects relating to development of airports, railways so as to achieve the target by the year 2022 in solar power generation. What kind of action has been taken by the Government to set up the solar parks in the country?

SHRI PIYUSH GOYAL: Madam Speaker, we are very much conscious of the fact that rooftop solar is an outstanding way to reach solar power to the length and breadth of the country. We, already, have a scheme by which grid connected rooftop and small solar power plant programme by which we give 30 per cent subsidy for all the States of the country and 70 per cent subsidy on the capital cost of investment in the seven North-Eastern States including Sikkim, Jammu and Kashmir, Uttarakhand, Himachal Pradesh, Lakshadweep and Andaman and Nicobar. That scheme is going on all over

the country. In that scheme, we have already approved 2080.32 megawatt of projects and 362 megawatt systems have already been given financial sanction. Now we are proposing to come up with another scheme by which we will give 30 per cent subsidy to all the PSUs, all Government offices, schools, colleges, hospitals so that they can also go in for solar rooftop in a very large way. We have recently signed an MoU with the Indian Railways. The Railway is also going to set up solar rooftop all across the country.

SHRI K. PARASURAMAN: Madam, my second supplementary question is this. Hon. Minister has told that to encourage installation of solar rooftop systems, the banks are providing loans, as a part of home loan and home improvement loan for solar rooftop systems to individuals. But, there is no awareness about the availability of bank loan for installation of solar rooftop system in the houses.

I would request the hon. Minister to inform whether the Government has instructed banking sector to give priority for home loan with installation of solar systems.

SHRI PIYUSH GOYAL: Madam Speaker, we have already given instructions to all the bank branches all over the country to give loan up to Rs.10 lakh under priority sector, whenever a home loan is given. In fact, existing homes are also allowed to take an additional add-on loan up to Rs.10 lakh. So, as things stand today, everybody has the capacity to go and get this loan. I will take the message of the hon. Member to the banking sector to advertise it a little more and create awareness of this home loan.

श्री महेश गिरी: स्पीकर मैडम, मैं सबसे पहले माननीय मंत्री श्री पीयूष गोयल जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहूंगा और आभार प्रकट करना चाहूंगा कि वे ऊर्जा के क्षेत्र में बहुत बड़ी क्रांति लेकर आए हैं। ...(व्यवधान) इस देश के अंदर हम छतों के ऊपर सोलर पैनल लगाने की परियोजना चला रहे हैं। ...(व्यवधान)

लाखों ऐसे लोग हैं, जिनके घरों में वैसी छत नहीं है, छत नहीं है, जो झुग्गी-बस्ती में रहते हैं, गांव-गरीब जो लोग होते हैं, ऐसे लोगों तक यह परियोजना किस तरह से पहुंच सकती है? ...(व्यवधान)

इसमें दिक्कत यह आती है कि इसमें कई तरह की, जैसे नोडल एजेंसी है, राज्य सरकार है, उसके बाद ये कंपनियां होती हैं और खुद केन्द्र सरकार भी इसमें सहयोगी होती है। ...(व्यवधान) जब इसे लगाने की प्रक्रिया की बात आती है तो इसे कई तरह से अलग-अलग माध्यमों से होकर गुजरना पड़ता है, जो बहुत क्रिटिकल होता है। ...(व्यवधान) इसके लिए सब्सिडी मिलना एक बहुत बड़ी चुनौती हो जाती है। ...(व्यवधान) मेरा मंत्री महोदय से प्रश्न है कि इसका सरलीकरण करने के लिए क्या हमने कोई कदम उठाए हैं, जिससे लाखों गरीब लोगों को इसका पूरा फायदा मिल पाए?

श्री पीयूष गोयल : अध्यक्ष महोदया, माननीय सदस्य जी के सुझाव बहुत अच्छे हैं।...(व्यवधान) हम इसका और सरलीकरण करेंगे।...(व्यवधान) यह और ज्यादा गांवों तक पहुंचे उसके लिए हमने सोचा है कि एक और योजना लायी जाये।...(व्यवधान) जिससे गांवों में छोटे ऑफ ग्रिड सॉल्यूशंस बना कर, छोटे माइक्रो ग्रिड्स बनाकर किसानों को सौर ऊर्जा उत्पादन करने की सुविधा मिले।...(व्यवधान) जहां तक झुग्गी-झोपड़ी का सवाल है ...(व्यवधान) जब तक वे अवैध हैं तब तक बैंकों को उन्हें लोन देने में तकलीफ होती है।...(व्यवधान) एक बार वे वैध घोषित हो जायें, ऑथोराइज्ड हो जायें, उसके बाद उनको बैंकिंग सैक्टर के द्वारा लोन देने की प्रक्रिया को और सरल बनाने के लिए मैं वित्त मंत्री और वित्त विभाग से भी चर्चा करूंगा।...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 1140 hours.

11.21 hours

The Lok Sabha then adjourned

till Forty Minutes past Eleven of the Clock.

11.40 hours

The Lok Sabha re-assembled at Forty Minutes past Eleven of the Clock.

(Hon. Speaker *in the Chair*)

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS ....Contd.

(Q. 162)

*SHRIMATI RITA TARAI: Madam, I thank you for giving me the opportunity to ask the supplementary questions on this important subject. I have gone through the reply of the Hon'ble Minister, but I find the reply evasive. Even though the Minister has admitted the importance of connectivity of National Highways, he has not submitted the details of the 700 kilometers of new connectivity which are to be laid in different States of India. I want the details of the Bharatmala project state wise and demand that backward area in my constituency Jajpur should get priority for connectivity under the new National Highways being planned by your Ministry....(*Interruptions*)

11.42 hours

(*At this stage, Shri Kodikunnil Suresh, Shrimati Ranjeet Ranjan and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.*)

â€¦(व्यवधान)

श्री नितिन गडकरी : अध्यक्ष महोदया, सम्माननीय सदस्या ने माइनर पोर्ट्स जो राज्य सरकार के अधीन हैं, उन्हें नेशनल हाईवे से जोड़ने के बारे में सवाल पूछा है।...(व्यवधान) यह बात सही है कि हमारे देश की प्रगति और विकास के लिए पोर्ट्स के डैवलपमैंट के लिए हमने सागरमाला नाम से प्रोजैक्ट की शुरुआत की है।...(व्यवधान) हमने सात हजार किलोमीटर भारत माला में पोर्ट्स कनैक्टिविटी के लिए रखे हैं।...(व्यवधान) इसमें मेजर पोर्ट्स को कनैक्टिविटी दे रहे हैं।...(व्यवधान) साथ ही माइनर पोर्ट्स को भी कनैक्टिविटी देने का हमारा प्रयास है।...(व्यवधान) मैं सम्माननीय

सदस्या को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि हमने आंध्र प्रदेश में माइनर पोर्ट्स के लिए 450 किलोमीटर 13 रोड्स मंजूर की हैं, कर्नाटक में 12 माइनर प्रोजैक्ट्स के लिए कनैक्टिविटी रोड्स मंजूर की हैं, महाराष्ट्र में 784 किलोमीटर मंजूर की है और ओडिशा में आपके निर्वाचन क्षेत्र में भी अगर माइनर पोर्ट है और रोड कनैक्टिविटी की प्रॉब्लम है, तो उसे भी हम निश्चित रूप

से सुलझाएंगे और नेशनल हाईवे बनाएंगे जिससे वहां से कन्टेनर ट्रैफिक सहजता से जा सकेगा, ऐसी रोड कनैक्टिविटी करके देंगे।...(व्यवधान) इसके साथ-साथ हमने पोर्ट-रेल कनैक्टिविटी कार्पोरेशन भी खोला है जो मेजर पोर्ट में रेलवे कनैक्टिविटी का काम कर रहा है। अगर राज्य सरकार माइनर पोर्ट में कहती है तो रेल कनैक्टिविटी के लिए हम उन्हें मदद करेंगे और आपके पोर्ट को पूरी तरह रेल और रोड दोनों कनैक्टिविटी देकर मिनिस्ट्री ऑफ पोर्ट्स एंड शिपिंग का जो सागरमाला प्रोजैक्ट है, उसमें इन पोर्ट्स के विकास के लिए सभी प्रकार की सहायता प्रदान करेंगे।

*SHRIMATI RITA TARAI : Madam, I would like to urge the Hon'ble Minister to expedite completion of NH 5, six-laned between Chandikhol and Panikoili in Jajpur district.

श्री नितिन गडकरी : स्पीकर महोदया, माननीय सदस्य ने चंडीपुर नेशनल हाईवे 6 को जोड़ने की बात की है, इस बारे में मेरे पास अभी जानकारी नहीं है, इसका आप डिटेल दीजिए। अगर आवश्यकता हुई तो उसे हम चार लेन या छह लेन करकर उस रोड को भी मंजूर करेंगे।

SHRI BAIJAYANT JAY PANDA: Madam Speaker, thank you for giving me this opportunity.

I would like to thank the hon. Minister for his response and in particular for the Bharat Mala Pariyojana for 7,000 kilometres of roads around the country. ...(*Interruptions*) This is particularly important for the State Odisha because of our almost 500 kilometres coastline and three ports already functioning with other proposals there for ports. This is also particularly important for my constituency Kendrapara which has 50 kilometres of coastline. ...(*Interruptions*) We have two ports at the southern end of Kendrapara which is Paradip Port in Jagatsinghpur district and we have Dhamra Port in the northern end of Kendrapara.

This question is particularly important because in Kendrapara despite 50 kilometres of coastline we cannot have a port because of the turtle sanctuary, because of wildlife sanctuary. ...(*Interruptions*) So, it is critically important for

these roads to be connected. My question to the hon. Minister is whether he can give us a commitment of a timeline in which this Bharat Mala Pariyojana can be expedited. ...(*Interruptions*)

श्री नितिन गडकरी : महोदया, भारतमाला परियोजना में पोर्ट कनेक्टिविटी के लिए 7,000 किलोमीटर की शर्त रखी है, ...(व्यवधान) हम इसके लिए डीपीआर बनाएंगे, इसमें लैंड एक्विजिशन का भी प्रोबल्म है, ...(व्यवधान) कुछ जगहों पर फॉरेस्ट क्लीयरेंस का भी प्रोब्लम है। यह नई योजना 7,000 किलोमीटर की है इसमें से कुछ काम हम अप्रैल के पहले शुरू कर देंगे। ...(व्यवधान) इसके लिए इन्वायरमेंट ऑफ फॉरेस्ट क्लीयरेंस चाहिए, लैंड एक्विजिशन के लिए राज्य सरकार का भी सहयोग चाहिए, ...(व्यवधान) एक्विजिशन का काम पूरा होने के बाद हम तुरंत इस पर काम शुरू कर देंगे। ...(व्यवधान) आपने बहुत ही महत्वपूर्ण पोर्ट का उल्लेख किया है। पारादीप देश का सबसे अच्छा पोर्ट बन सकता है। ...(व्यवधान) महादीप महाकोल फील्ड में कोल फील्ड प्रोडक्शन जो 60 मिलियन टन से 300 मिलियन टन होने वाला है ...(व्यवधान) इसके लिए 4000 करोड़ रुपये खर्च करके रेल कनेक्टिविटी बनाने का प्लॉन कर रहे हैं, ...(व्यवधान) रोड कनेक्टिविटी के लिए भी प्रयास कर रहे हैं, ...(व्यवधान) पारादीप के बगल में हम नई जगह लेकर नए पोर्ट के लिए भी कोशिश कर रहे हैं। ...(व्यवधान) पारादीप पोर्ट कोल के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, इसमें रेल और रोड कनेक्टिविटी का भी प्रश्न हैं, उसे हम सुलझाऐंगे। ...(व्यवधान)। राज्य सरकार के अधीन जो छोटे पोर्ट हैं उसे भी रोड, रेल और पोर्ट कनेक्टविटी के लिए कहेंगे, ...(व्यवधान) भारत सरकार की तरफ से हमारा विभाग उनकी पूरी तरह से सहयता करेगा।

SHRI MUTHAMSETTI SRINIVASA RAO (AVANTHI) : Thank you, Madam Speaker, for giving me this opportunity.

Providing road connectivity between non-major ports and national highways is of great importance as it helps in the economic development of the State and the country as a whole. ...(*Interruptions*)

May I know from the hon. Minister whether he has received any proposals from the Government of Andhra Pradesh for connectivity between non-major ports and national highways during the Twelfth Five-Year Plan period? May I also know whether the Minister has any plan to connect the Visakhapatnam Port with the national highways? ...(*Interruptions*) There is one bid for Anakapalli – Anandapuram National Highway; the DPR is pending. That is a very important road. ...(*Interruptions*) Please start the work immediately. Already our State Government has submitted the proposal to the Government of India. ...(*Interruptions*) The Visakhapatnam Port also has a huge potential with dock facilities for export and import of goods.

श्री नितिन गडकरी : अध्यक्ष महोदया, माननीय सदस्य ने विशाखापटनम पोर्ट के बारे में कहा है, तो उसमें हम प्रधानता से काम करेंगे। ...(व्यवधान) मैं चार दिन पहले ही आंध्र प्रदेश की कैपिटल में आया था। ...(व्यवधान) हमारे विभाग ने आंध्र प्रदेश के 65 हजार करोड़ रुपये के रोड प्रोजैक्ट्स मंजूर किये हैं। ...(व्यवधान) इन सब प्रोजैक्ट्स का काम अगले साल के दिसम्बर से पहले निश्चित रूप से शुरू होगा, यह मैं आपको विश्वास देना चाहता हूं। ...(व्यवधान) लैंड एक्वीजिशन के बारे में राज्य सरकार को कार्रवाई करनी है। ...(व्यवधान) जहां-जहां लैंड एक्वीजिशन का डीपीआर बन रहा है, वह पूरा होगा। ...(व्यवधान) हम तुरंत काम शुरू करेंगे। हमने प्रदेश सरकार को कहा है कि आप इसकी डीपीआर जल्दी बनाइये। ...(व्यवधान) मुझे लगता है कि यह जल्दी हो जायेगा। ...(व्यवधान) जो फोर लेनिंग कम्पलीट हुआ है ...(व्यवधान) फोर लेनिंग ऑफ एन्जीस्टिंग टू लेन रोड का वर्क अंडर प्रोग्रेस है। ...(व्यवधान) हम फोर लेनिंग भी तुरंत शुरू करेंगे। ...(व्यवधान) अगर ट्रैफिक डेन्सिटी ज्यादा होगी, क्योंकि कन्टेनर ट्रैफिक बहुत ज्यादा है, तो हम सिक्स लेन के बारे में भी अध्ययन करेंगे और उस पर कार्रवाई करेंगे। ...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Shrimati Bijoya Chakravarty. The Question is regarding connecting ports.

SHRIMATI BIJOYA CHAKRAVARTY: I am thankful to the hon. Minister as since he has taken charge of the Ministry he is taking a lot of pain to develop port and port connectivity. It is a welcome effort on the part of the Minister.

Madam, we all agree that the development of ports, be it sea or river, is very essential for overall smooth carrying of goods and passengers but so far this sector has been neglected. In this connection, through you, I would like to know from the hon. Minister that it was proposed that ports of river Brahmaputra in the Northeastern region in Assam would be taken urgently. I hope that the hon. Minister has taken care of it. I would like to know from the hon. Minister how far the work regarding the proposed ports of river Brahmaputra in Assam has progressed.

श्री नितिन गडकरी : अध्यक्ष महोदया, सम्माननीय सदस्या ने जो कहा, वह सही है कि हमारे देश में पोर्ट्स पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया। ...(व्यवधान) चाइना में 47 परसेंट पैसेंजर एंड गुड्स ट्रैफिक पानी पर है। जापान और कोरिया में 43 और 44 परसेंट है। ...(व्यवधान) यूरोपीयन देशों में 40 परसेंट से ज्यादा पैसेंजर और गुड्स ट्रैफिक पानी पर है, जबकि हमारे देश में केवल 3.5 परसेंट है। ...(व्यवधान) अगर हम रोड से जायेंगे तो डेढ़ रुपये का खर्चा आता है। रेलवे से जायेंगे तो एक रुपये का खर्चा आता है और पानी से जायेंगे तो 25 पैसे का खर्चा आता है। ...(व्यवधान) इसलिए हमने अभी बंगलादेश के साथ करार किया है, जिससे ब्रह्मपुत्र में गुड्स के लिए सीमलैस ट्रैफिक खुला हो गया है। ...(व्यवधान) इसलिए ब्रह्मपुत्र के ऊपर नार्थ ईस्ट में हम छोटे-छोटे वाटर पोर्ट्स बना रहे हैं। ...(व्यवधान) हम पैसेंजर्स जेटी के लिए 10 करोड़ रुपये का अनुदान देंगे और कन्टेनर, फ्लोटिंग जेटी के लिए 25 करोड़ रुपये का अनुदान देंगे। ...(व्यवधान) आपकी कांस्टीटूएंसी गुवाहटी में पाण्डु जेटी है, उसके विकास के लिए हमने 50 करोड़ रुपये देने का निर्णय किया है। ...(व्यवधान) अब नार्थ ईस्ट का, पूरे कोलकाता, गंगा से ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था डायरेक्ट होगी, यह मैं आपको

विश्वास देना चाहता हूं। ...(व्यवधान)

(Q. 163)

डॉ. वीरेन्द्र कुमार: अध्यक्ष महोदया, माननीय मंत्री जी ने प्रश्न का जो उत्तर दिया है, उसके 'ग' भाग में इंडियन एयरलाइन्स के कुल राजस्व और कुल व्यय का ब्यौरा दिया है। ...(व्यवधान) उसे देखने से यह बिल्कुल स्पष्ट प्रतीत होता है कि वर्ष 2012-13, 2013-14 और 2014-15 में कुल राजस्व की तुलना में व्यय काफी अधिक है। ...(व्यवधान) इंडियन एयरलाइन्स बहुत ही नाजुक स्थिति में है। ...(व्यवधान) वर्तमान में कंपनी पर लगभग 50 हजार करोड़ रुपये का खर्च है। ...(व्यवधान) इसमें से लगभग 19 हजार करोड़ रुपये का खर्च नये विमानों की खरीद से संबंधित है। ...(व्यवधान) प्राइवेट एयरलाइन्स के आने से पहले एयर इंडिया का मार्केट शेयर 60 प्रतिशत था, जो अब केवल 17 प्रतिशत है। ...(व्यवधान) जिसके फलस्वरूप एयर इंडिया को पैसेंजर्स और कार्गो ट्रैफिक में बहुत क्षति हुई है। ...(व्यवधान)

इसके कई प्रमुख कारण हैं, इन कारणों के संबंध में सबसे प्रमुख मुद्दा यह है कि इंडियन एयरलाइंस और एयर इंडिया का विलय 70 प्रतिशत ही हुआ है, पूरी तरह से नहीं हुआ है। इस कारण दोनों के वेतन भत्ते और प्रमोशन में लगातार विवाद होता रहता है।...(व्यवधान) सरकार ने इस दलदल से उबारने के लिए क्या सोचा है? लोहानी समिति में अश्वनी लोहानी जी को एयर इंडिया का नया सीएमडी बनाया है, इससे निश्चित रूप से उम्मीद है कि कोई रास्ता खुलेगा। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इंडियन एयरलाइंस और एयर इंडिया के विलय में क्या परेशानियां आ रही हैं और यह विलय कब तक पूरा हो जाएगा?...(व्यवधान) यह एयर इंडिया के वर्तमान वित्तीय घाटे का सबसे बड़ा कारण है। क्या सरकार धर्माधिकारी रिपोर्ट की सिफारिशों को लागू करेगी?...(व्यवधान)

SHRI ASHOK GAJAPATHI RAJU: Madam Speaker, I appreciate the concern expressed by the hon. Member...(*Interruptions*). We do have merger problems because both these units have to merge...(*Interruptions*). We are working on it. We are trying to see that they are able to work as a team ...(*Interruptions*). We are happy to say that in certain cases they have been able to work as a team so much so that now the silver lining on the cloud is that it is likely to show the operating profit two years before it was scheduled to show profit....(*Interruptions*). So that itself is a good news. It is a good Airline and it has received battering from everywhere and it needs the support of everyone ...(*Interruptions*).

So I would request the hon. Member to extend his support in all ways so that we can work together and let this Airlines which is the pride of the country fly high â€¦ (*Interruptions*).

डॉ. वीरेन्द्र कुमार: माननीय अध्यक्ष जी, एयर इंडिया के काफी बड़ी संख्या में अधिकारी न्यूयार्क, पेरिस, लंदन और गल्फ देशों में कार्यरत हैं। उनको वहां जो वेतन और सुविधाएं मिलती हैं, वह हमारे देश में काम करने वाले अधिकारियों की तुलना में काफी ज्यादा है।...(व्यवधान) ऐसे देशों में, जहां एयर इंडिया का कम काम हुआ है, जहां एयर इंडिया कम सेवाएं दे रही है, उन राष्ट्रों से कर्मचारियों को वापस बुलाकर घाटा हो रहा है। क्या आप घाटा कम करने की दिशा में कोई कदम उठाएंगे?

महोदया, राकेश मोहन जी रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के पूर्व डिप्टी गवर्नर थे, उनका मत था और उनके द्वारा एयर इंडिया को रिकैपिटलाइज, रिस्ट्रक्चर्ड ऑर्गेनाइजेशनली, वर्किंग कैपिटल ऋण को माफ करने और सरकार द्वारा सिर्फ 26 प्रतिशत सरकारी रक्षण के सुझाव दिए गए थे। इन सुझावों को लागू करने के बारे में कोई विचार करेंगे?...(व्यवधान)

SHRI ASHOK GAJAPATHI RAJU: Madam, we are working together for the upliftment of the Airline ...(*Interruptions*). We are closing offices abroad...(*Interruptions*). We are recruiting operational staff like Pilots, Service Engineers and Cabin Crew ...(*Interruptions*). These are showing results. We are now having more aircraft flying in the air than on the ground. So every stone is being turned to see that this Airline survives and serves the Indian people...(*Interruptions*).

SHRI K.N. RAMACHANDRAN: Madam Speaker, first of all, I would like to thank the Government of India for having taken immediate steps to bring out the isolated and trapped passengers from the Chennai Airport which was flooded by recent torrential rains ...(*Interruptions*). This is not flood but this is Tsunami. Thousands of human lives were saved because of the precautionary measures taken by our Amma ...(*Interruptions*).

I would like to submit to the hon. Minister that many students from north India who were studying in and around Chennai as also the Central Government employees who were working there, were flown from Chennai to their respective native places. People were very happy with this gesture. ...(*Interruptions*). Now the situation has become normal and they are now slowly coming back ...(*Interruptions*). I would request the hon. Minister to consider giving concessions in air fare to all those students and the Government employees who are now returning back to colleges and their respective offices.

SHRI ASHOK GAJAPATHI RAJU: The situation is unfortunate. The aviation sector has launched its operation and has evacuated all the passengers. A large number of personnel have worked beyond the call of duty for evacuating the passengers there. We are providing whatever help can be provided. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Question Hour is over.